



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 8 अगस्त, 2005/17 भावण, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

भाषा एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 2 अगस्त, 2005

संख्या एल० सी० डी० वी० (2) 3/2005.— राज्य सरकार की यह राय है कि “श्री मारकण्डेय मन्दिर, ग्राम माकड़ी (मारकण्ड), जिला बिलासपुर” के बेहतर प्रशासन और इससे सम्बन्धित सम्पत्ति के संरक्षण और परिरक्षण के लिए लोक हित में पग उठाए जाने समीचीन और आवश्यक हैं।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान एवं पुर्व विन्यास अधिनियम, 1984 (1984 का 18) की धारा 29 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-1 में क्रम संख्या-27 पर निम्नलिखित जोड़ने हैं; अर्थात् :—

“श्री मारकण्डेय मन्दिर, ग्राम माकड़ी (मारकण्ड), जिला बिलासपुर”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

[Authorised English text of this Department Notification No. LCD-B (2) 3/2005, dated 2-8-2005 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

## LANGUAGE AND CULTURE DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimu-2, the 2nd August, 2005*

No. LCD-B (2) 3/2004.—Whereas the State Government is of the opinion that it is expedient and necessary in the public interest to take steps for the better administration for the protection and preservation of properties appurtenant to "Sri Markandei Mandir, village Makri (Markand), District Bilaspur".

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institutions and Charitable Endowments Act, 1984 (Act No. 18 of 1984), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to add the following in Schedule-1 at Sr. No. 26 of the aforesaid Act. namely:—

"Sri Markandei Mandir, village Makri (Markand), District Bilaspur".

By order,

Sd/-  
Pr. Secretary.

भाषा एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 2 अगस्त, 2005

संख्या एल 0 सी 0 डी 0-एफ (1) 4/2004.—राज्य सरकार की यह राय है कि "श्री शनिदेव मन्दिर, ग्राम सरली नजदीक लम्बलू, जिला हमीरपुर" के बेहतर प्रशासन और इससे सम्बन्धित सम्पत्ति के संरक्षण और परिरक्षण के लिए लोक हित में पग उठाए जाने समीचीन और आवश्यक है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान एवं पुर्व विन्यास अधिनियम, 1984 (1984 का 18) की धारा 29 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-1 में कम संख्या-25 पर निम्नलिखित जोड़ते हैं, अर्थात्:—

"श्री शनिदेव मन्दिर, ग्राम सरली नजदीक लम्बलू, जिला हमीरपुर"।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

[Authorised English text of this Department Notification No. LCD-F(1)/2004 dated 2-8-2005 as required under Article 348(3) of the Constitution of India].

LANGUAGE AND CULTURE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 2nd August, 2005

No. LCD-F(1)/2004.--Whereas the State Government is of the opinion that it is expedient and necessary in the public interest to take steps for the better administration for the protection and preservation of properties appurtenant to, "Sri Shani Dev Mandir, Village Sarali near Lamblu, District Hamirpur".

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 29 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institutions and Charitable Endowments Act, 1984 (Act No. 18 of 1984), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to add the following in Schedule-I at Sr. No. 25, of the aforesaid Act, namely:—

"Sri Shani Dev Mandir, Village Sarali near Lamblu, District Hamirpur".

By order,

Sd/-

Pr. Secretary.

भाषा एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 2 अगस्त, 2005

संख्या एल0 सी0 डी0 बी (2) 4/2005.—राज्य सरकार की यह राय है कि "श्री शूलिनी माता मन्दिर सोलन", जिला सोलन के बेहतर प्रशासन और इससे सम्बन्धित सम्पत्ति के संरक्षण और परिरक्षण के लिए लोक हित में पग उठाए जाने समीचीन और आवश्यक हैं।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश भावार्जनिक धार्मिक संस्थान एवं पुत विद्यास अधिनियम, 1984 (1984 का 18) की धारा 29 की उप-धाग (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-1 में क्रम संख्या-26 पर निम्नलिखित जोड़ते हैं, अर्थात्:—

"श्री शूलिनी माता मन्दिर सोलन"।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

प्रधान सचिव।

[Authorised English text of this Department Notification No. LCD-B (2) 4/2005 dated 2-8-2005 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

## LANGAUGE AND CULTURE DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-2, the 2nd August, 2005*

**No. LCD-B (2) 4 2005.**—Whereas the State Government is of the opinion that it is expedient and necessary in the public interest to take steps for the better administration for the protection and preservation of properties appurtenant to "Sri Shulini Mata Mandir, Solan Distt. Solan".

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institutions and Charitable Endowments Act, 1984 (Act No. 18 of 1984), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to add the following in Schedule-I at Sr. No 26 of the aforesaid Act, namely:—

**"Sri Shulini Mata Mandir, Solan, Distt. Solan".**

By order,

Sd/-

Pr, Secretary.